समाद

कर्ज केवल विकास योजना लेल लेत सरकार : मोदी

मैथिली मे पहिल इ-पेपर

पंचायत व निकाय प्रतिनिधि के आब सरकार देत भत्ता

पटना, 1 अप्रैल, 2008 ▯ सप्ताहिक ▯ अंक-6 ▯ साल-1 ▯ इनटरनेट संस्करण ▯ पेज-6

छोट-छोट समाद

अशोक सिंह बनलाह सपाक नव अध्यक्ष

पटना : अशोक कुमार सिंह के समाजवादी पार्टीक नव प्रदेश अध्यक्ष बनाउल गेल अछि. हुनक नियुक्ति देवनाथ यादवक स्थान पर केल गेल अछि. पिछला किछु दिन स पार्टी विरोधी कार्य मे रहलाक कारण स देवनाथ यादव आओर गोपाल कुमार अग्रवाल के पार्टीक राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव पार्टी स छह सालक लेल निष्कासित करि देलथि.

तिस्ता क तीन टा यूनिट चालू

पटना : बिहार मे बिजली संकट बरकरार अछि मुदा तिस्ता क तीनटा यूनिट चालू भेला स एहि मे किछु कमी एबाक संभावना अछि. जानकारीक अनुसार तिस्ता क एकटा यूनिट स व्यवसायिक उत्पादन चालू भ गेल अछि. एहि यूनिट स बिहार सहित छह राज्य के बिजली उपलब्ध भ सकत. आशा केल जा रहल अछि जे तीनू यूनिट के व्यवसायिक रूप स चालू भेला पर बिहार मे बिजली संकट मे थोड़ कमी होएत.

रेलवे क कॉल सेंटर पटना स कोलकाता गेल

पटना : बिहार के रेलवे धीरे स पैघ झटका देलक अछि. राष्ट्रीय स्तर पर पटना मे कार्यरत रेलवे के एक मात्र कॉल सेंटर के कोलकाता स्थानांतरित करि देल गेल. तकनीकि कारण स केल गेल इ स्थानानंतरण स बिहार के एक बेर फेर धोखा देल गेल. लालू प्रसाद एहि कार्य लेल तत्काल कोनो विरोध नहि झेल रहल छथि,मुदा लोकसभा चुनाव मे हुनका लेल इ गलाक घेघ बनि सकैत अछि. हुनका एकर उत्तर देबय पड़त.

बीपीएल सूची सब साल रहत अपडेट

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक कहब छैन जे बीपीएल सूची सब साल अपडेट केल जाइत. एकरा संगहि एहि सूची मे अगर कोनो आपत्ति दर्ज केल जाइत त ओकर निबटारा आपत्तिकर्ताक घर पर केल जाइत, संगहि पूरा प्रकियाक फोटोग्राफी करबाक फैसला लेल गेल अछि, जाहि स एहि कार्य मे विश्वसनीयता बनल रहै. मुख्यमंत्री कहलथि जे फिरलहाल राज्यक ग्रामीण इलाका मे कुल 1.13 करोड़ लोक गरीबी रेखा स नीचा जीवन जी रहल अछि. इ आकड़ा काफी भयानक अछि. मुख्यमंत्री कहलथि जे आकड़ा के देखला स इ ज्ञात होइत अछि जे एहि सूची के सब साल अपडेट करबाक जरूरत अछि, ताहि लेल सरकार फैसला लेलक अछि जे सब साल मई मास मे एहि सूची के अपडेट केल जाइत आओर अगिला दू माह मे आपत्तिक निबटारा केल जाइत.

वित्तरहित शिक्षा नीति समाप्त भेल

- नहीं होइत अधिग्रहण, भेटत केवल अनुदान
- महिला शिक्षा लेल शिथिल कैल गेल मापदंड
- सफल छात्रक आधार पर भेटत अनुदान
- जगन्नाथ राजक एकटा आओर कलंक धुलल

समदिया

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जगन्नाथ राजक एकटा आओर कलंक के धो देलथि. 20 साल पुरान वित्तरहित नीति के आखिरकार समाप्त कय देल गेल. मुख्यमंत्री अपन वादाक अनुसार एहि नीति के समाप्त करबाक विधानमंडल मे घोषणा केलथि. एहि घोषणाक संग मुख्यमंत्री इ साफ केलथि जे वित्तरहित शिक्षा नीति के तहत चलि रहल संस्थान के सरकार अपन हाथ मे नहि लेत. सरकार के एहन कोनो संस्थानक अधिग्रहणक विचार नहि छैक. इ संस्थान निजी छल आओर निजी रहत. सरकार एहि संस्थान सब के सफल विद्यार्थीक आधार पर समुचित अनुदान दैत. मुख्यमंत्रीक कहब छल जे नामांकण के आधार पर अनुदान देबा मे व्यवहारिक कठिनाई अछि. ताहि खारित सरकार संस्थान स पास विद्यार्थीक संख्याक आधार पर अनुदान देबाक फैसला लेलक अछि. ओना महिला कॉलेज आओर **बाकी पेज तीन पर**

अनुदानक दर

	छात्र छात्रा
सकेंड्री	
प्रथम श्रेणी	3500-3700
द्वितीय श्रेणी	3000-3200
तृतीय श्रेणी	2500-2700
इंटर कॉलेज	
प्रथम श्रेणी	4500-4700
द्वितीय श्रेणी	4000-4200
तृतीय श्रेणी	3500-3700
डिग्री कॉलेज	
प्रथम श्रेणी	5500-5700
द्वितीय श्रेणी	5000-5200
तृतीय श्रेणी	4500-4700

कागजी संस्थान के एक छीदाम नहि भेटत

पटना : राज्य सरकार वित्तरहित शिक्षा नीति के समाप्त करबा लेल जे रास्ता निकाललक अछि ओ निश्चित रूप स राज्य मे शिक्षा माफीया के खत्म करबा मे सहायक होयत. प्रावधानक अनुसार कागज पर चल रहल कोनो संस्थान के सरकार दिस स कोनो प्रकारक अनुदान नहीं भेट सकत. संगहि जाहि संस्थान मे जेहन पढाई होयत, ओहि मे तेहन वेतन भेटत. एहि व्यवस्था स जतय शिक्षा माफिया हताश छथि, ओतहि कॉलेज मे क्लास नहि करि केवल वेतन उठेबाक इच्छा रखैयवाला किछु शिक्षक एकर विरोध मे सड़क पर उतरि गेलाह अछि. **बाकी पेज तीन पर**

लोकसभा चुनाव स पूर्व आडवाणी के झटका

देश मे मोदी मॉडल संभव नहि : नीतीश

नयी दिल्ली/पटना : लोकसभा चुनावक आहट आब साफ तौर पर सुनाई द रहल अछि. यूपीए आ एनडीए दूनू एहि लेल लगभग तैयार अछि. एनडीए दिस स प्रधानमंत्रीक उम्मीदवार लालकृष्ण आडवाणी कोनो हालत मे पीएम के पद पर आसीन हुए चाहैत छथि. एहि लेल ओ गुजरातक मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदीक जीत के आधार बना लोकसभाक चुनाव मे कूदबाक फैसला ल चुकल छलाह, मुदा देश मे आइ धरि राजनीतिक आधार तैयार करैवाला बिहार के इ मंजूर नहीं अछि. राजनीतिक रूप स समृद्ध बिहार कखनो गुजरात के देखाउल रास्ता पर नहि चलत. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार साफ शब्द मे कहि देहाल अछि जे मोदी मॉडल बिहार मे नहि चलत. राजनीतिक रूप स गुजरात कहियो भारतक नेतृत्व करबाक क्षमता नहि रखलक आ नहि बिहारक इ स्थिति भेल अछि जे ओ गुजरात स राजनीति सिखत. श्री आडवाणी एकर बावजूद दिल्ली मे भाजपा शासित राज्यक मुख्यमंत्री के बैठक आयोजित केलथि. एहि बैठक मे शामिल मुख्यमंत्री के लोकसभा चुनाव मे मोदी मॉडल अपनेबाक निर्देश देल गेल. संयोग स राजस्थान मुख्यमंत्री एहि सम्मेलन मे भाग नहि ल सकलथि. बैठक मे विरोध नहि भेला पर श्री आडवाणी अपन नीति के आगू बढबैत राजग शासित राज्यक मुख्यमंत्रीक बैठक बजौलथि. इ बैठक हुनका लेल एकटा झटका रहल. बिहारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार त बैठक मे भाग नहिये लेलथि, भाजपा शासित राजस्थानक मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सेहो मोदी मॉडल के खारिज करि देलथि. आब आडवाणी लेल मोदी के आदर्श बनैब कठिन अछि.

परबतिया आब नहि जाइत अछि नर्सिंग होम

गोपालगंज : बिहार मे सरकारी अस्पतालक छवि बदलि रहल अछि. परबतिया सन अनेक गरीब आब नर्सिंग होम नहि जा के सरकारी अस्पताल मे इलाज लेल आबि रहल अछि. गोपालगंज सदर अस्पताल मे मरीजक संख्या मे अप्रत्यासित बढोतरी देखल जा रहल अछि. किछु मास पूर्व धरि जाहि अस्पताल मे वीरानी छाइल रहैत छल, तहि ठाम आब लोकक हुजूम देखल जा सकैत अछि. एहि हुजूम मे आम स ल के खास तक शामिल छथि. सदर अस्पताल के इंडोर आओर आउट डोर मे दवाई सेहो उपलब्ध रहय लागल अछि. जाहि स गरीब लोकनि के दवाई लेल महाजनक चंगुल मे जेबा स मुक्ति भेटि गेल अछि. सरकारी अस्पताल के एहि रूप मे अनबा लेल सरकार एहि अस्पतालक आधारभूत संरचना के ठीक करबाक संग-संग डॉक्टर आओर नर्सक नियुक्ति सेहो केलक अछि. किछु अस्पताल मे नव मशीन सेहो लगाउल गेल अछि. एकरा संगहि जननी बाल योजना सन अनेक योजना के लागू करबा मे सेहो सकियता देखल जा रहल अछि. कुल मिला के राज्य मे सरकारी अस्पतालक रोनक एक बेर फेर गरीब लोक लेल बढि गेल अछि.

बिहार में विश्वस्तरक इलाज संभव : डॉ हई

गया : एसोसिएश्न ऑफ सर्जन ऑफ इंडियाक अध्यक्ष डॉ एए हई क अनुसार बिहार में विश्वस्तरक ईलाज संभव अछि. डॉ हई क कहब छैन जे बिहारक गरीब लोकवेद के बाहर जेबाक कोनो आवश्यकता नहि अछि. हिनका सब लेल बिहारे मे विश्वस्तरक इलाज आब उपलब्ध केल जा सकैत अछि, बशर्ते एहि ठाम किछु आधारभूत संरचना के मजबूत कैल जाय. डॉ हई गया मे एकटा सेमिनार मे भाग लेलाक बाद स्थानीय पत्रकार लोकनि स गप करैत कहलाह जे बिहार मे मल्टी अस्पतालक निर्माण हेबाक चाहि. संगहि एहि ठाम पारा मेडिकल आओर नर्सिंग कार्यक प्रशिक्षणक घोर अभाव अछि. बिहार मे बीपीएल कार्ड जेका मेडिकल कार्ड सेहो निर्गत केल जाय. डॉ हई बिहारक अस्पताल मे फैलल गंदगी पर चिंता व्यक्त करैत कहला जे इ एकटा गंभीर समस्य अछि, जेकर समाधान जरूरी अछि.

इंजीनियरिंग कॉलेज स अलग होयत एनआइटी

पटना : विधान परिषद मे विज्ञान एंव प्रावैधिकी मंत्री अनिल कुमार कहलथि जे पटना इंजीनियरिंग कॉलेज स एनआइटी के अलग केल जा रहल अछि. कॉजेल लेल नव भवन बनाउल जा रहल अछि. नव भवन लेल पटना विविक कुलसचिव पटनाक जिलाधिकारी के पत्र लिखलथि अछि, जाहि मे कॉलेज लेल तीन सौ एकड़ भूमि मांगल गेल अछि. मंत्री कहलथि जे कॉलेज लेल निःशुलक जमीन देबा मे राज्यस्व एंव भूमि सुधार विभाग असमर्थता जता चुकल अछि, ताहि लेल जमीन मद मे राशिक आवंटन आओर जमीनक अधिग्रहण पर विचार केल जा रहल अछि.

विप क आठ सीटक लेल चुनाव 28 अप्रैल के

पटना : विधान परिषद के आठ टा सीट लेल चुनाव 28 अप्रैल के होइत. चुनाव आयोग एकरा लेल कार्यक्रम के विधिवत घोषणा करि देलक अछि. इ चुनाव दरभंगा, पटना, तिरहुत व कोसी स्नातक क्षेत्र आओर दरभंगा, पटना, तिरहुत आ सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रक लेल होइत. आठो सीट लेल दू अप्रैल के अधीसूचना जारी केल गेल अछि. दस अप्रैल तक नामांकन केल जा सकत आ 12 तक नाम वापसी भ सकत. 28 के मतदान होइत आ 30 अप्रैल के मतक गिनती केल जाइत. दरभंगा स्थातक क्षेत्र स दिलीप चौधरी यूपीएक उम्मीदवार छथि, जखन कि एनडीए एक बेर फेर विनोद चौधरी के टिकट देलक अछि.

कर्ज केवल विकास योजना लेल लेत सरकार : मोदी

पटना : उपमुख्यमंत्री आओर राज्य के वित्तमंत्री सुशील कुमार मोदीक कहब छैन जे पिछला सरकार क जेका नीतीश सरकार बैंक स कर्ज ल के सरकारी कर्मचारी के वेतन आओर पेंशनक भुगतान नहि करि रहल अछि. श्री मोदी कहलथि जे सरकार जे कर्ज ल रहल अछि ओ मुख्यरूप स राज्यक विकास मे खर्च भ रहल अछि. राज्य सरकार अगिला वित्तवर्ष मे 17हजार 400 करोड़ टकाक वार्षिक साख योजनाक लक्ष्य रखलक अछि. वर्ष 2009-10 मे एकरा 25 हजार करोड़ तक पहुंचेबाक लक्ष्य राखल गेल अछि. श्री मोदीक कहब छलनि जे बिहार कर्ज लेबा मे एखनो काफी पाछू अछि. देश मे सबसे बेसी कर्जदार उत्तरप्रदेश अछि.महाराष्ट्र, बंगाल आओर केरल सन राज्य बिहार स बेसी कर्ज उठौने अछि. ओना बिहार अपन सकल घरेलू उत्पादक 64 फीसदी कर्ज लेने अछि जे चिंताक कारण भ सकैत अछि.

मॉडल स्टेट बनत बिहार : नीतीश कुमार

दरभंगा/समस्तीपुर : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहलथि अछि जे बिहार देश मे मॉडल स्टेट बनत. बिहार पिछला दू साल स विकासक पटरी पर चली रहल अछि. बिहार मे किछु एहन काज भ रहल अछि जे एकरा देश मे मॉडल स्टेट बनबा मे मदद करत. श्री कुमार इ गप दरभंगा आ समस्तीपुर मे दू टा पुल के शिलान्यास करबाक बाद उपस्थित लोकवेद के संबोधित करैत कहलाह. श्री कुमार दरभंगाक घनश्यामपुर मे कमला नदी पर आ समस्तीपुरक बेलसंडी मे लरझा घाट पर आसीसी पुल क आधारशीला रखैत दावा केलथि जे 18 माह बाद ओ एहि दूनू पुलक उद्घाटन करबा लेल आउताह. श्री कुमार कहलथि जे हुनक सरकार टकाक व्यवस्था करबाक बाद कोनो शिलान्यास करैत अछि, एहि कारण स शिलान्यास मे किछु देरी भ सकैत अछि मुदा शिलान्यास भेलाक बाद उद्घाटन मे कोनो देरी हेबाक आशंका नहीं अछि.एहि अवसर पर पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव आ स्थानीय विधायक उपस्थित छलाह.

पंचायत व निकाय प्रतिनिधि के आब सरकार देत भत्ता

- जिला पार्षद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष आओर नगर निगम के महापौर व उपमहापौर के क्रमशः चारि आ तीन हजार टका प्रतिमाह भत्ता.
- पंचायत समितिक प्रमुख, उपप्रमुख के तीन हजार आ 1500 भत्ता.
- मुखिया व सरपंच के छह सौ आओओर उपमुखिया आ उपसरप के तीन सौ टका प्रतिमाह भत्ता भेटत.
- बीपीएल परिवारक महिला प्रतिनिधि के भेटत विशेष भत्ता.
- राज्य सरकार पर पड़त 93.76 करोड़ टकाक अतिरिक्त बोझ.

समदिया

पटना : सरकार त्रिस्तरीय पंचायत, ग्राम कचहरी आ नगर निकाय क प्रतिनिधि क बढैत कार्य के देखैत हुनका लोकनी के प्रतिमाह एकटा निश्चित भत्ता देबाक फैसला लेलक अछि. नियत भत्ताक अलावा हिनका लोकनि के दैनिक आओर बैठक भत्ता सेहो देल जाइत. अतयंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति व जन जातिक पुरूष आ महिला के अलग स विशेष बैठक भत्ता देल जाइत. एहि गपक जानकारी पिछला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधानसभा मे दलथि. श्री कुमारक अनुसार इ भत्ता अप्रैल 2008 स लागू भ गेल अछि. श्री कुमार क अनुसार एहि लेल संविधानक 73तम आ 74तम संशोधन मे निहित सत्ताक विकेंद्रीकरणक ध्यान राखल गेल अछि. श्री कुमार कहलथि जे पंचायत आ नगर निकाय के धीरे-धीरे शक्ति प्रदान केल जा रहल अछि. जाहि स पंचायत आ नगर निकाय मे कार्यरत पदाधिकारी के काज बढि गेल अछि. इ सब नियमित रूप स बैठक मे भाग ल रहल छथि. विकासक काज मे गति देखल जा सकैत अछि. हिनक बढ़ल काज के देखैत राज्य सरकार हिनका लोकनि के एकटा निश्चित भत्ता देबाक फैसला लेलक अछि. मुख्यमंत्रीक अनुसार पंचायत, ग्राम कचहरी आ नगर निकायक पदाधिकारी के एक सौ टका बैठक भत्ता देल जा रहल अछि. जे जनप्रतिनिधि बीपीएल परिवार स अबैत छथि हुनका अलग से सौ टका बैठक भत्ताक रूप मे देल जाइत. कुल मिलाके हिनका सब के 200 टका बैठक भत्ताक रूप मे भेटत. एहिना पंचायती राज संस्था, ग्राम कचहरीक पदाधिकारी लोकनि के पांच टका प्रति किमी यात्रा भत्ता सेहो भेटत. इ यात्रा भत्ता मास मे अधिकतम एक बैठक लेल देल जाइत. यात्रा भत्ता लेल दूरी तय करबा लेल स्थानीय पता आ बैठक स्थलक दूरी मानक मानल जाइत. एहिना प्रत्येक निगम पार्षद हर मास 25 किमी, नगर पर्षदक सदस्य हर मास 10 किमी आ नगर पंचायतक सदस्य हर मास पांच किमी यात्रा भत्ता ल सकैत छथि. एकरा लेल हुनका पांच टका प्रति किमी यात्रा भत्ता देल जा सकैत अछि.

विधानसभा मे मुख्यमंत्रीक इ घोषणा पर सत्ता आ विपक्ष दूनू कातक सदस्य मेज थपथपौलथि. कांग्रेस विधायक जगन्नाथ राय कहलथि जे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पंचायत आ नगर निकाय लेल निर्वाचित जन प्रतिनिधि के भत्ता देबाक फैसला ल के सबहक मन मोहि लेलथि. ओ हलथि ले मुख्यमंत्री एकटा पुरान मांग के पूरा करबा लेल धन्यबादक पात्र छथि. राजद के समीर कुमार महासेठ कहलथि जे सरकारक एहि फैसला स पंचायत आओर नगर निकाय लेल चुनल गेल जन प्रतिनिधिक सम्मान मे बढोतरी होयत. मनोरमा सिंह त मुख्यमंत्री के एहि काज लेल धन्यबाद दैत एतबा तक कहि देलथि जे नीतीश कुमार जी एहिना घोषणा करति रहू,भगवान अहां के एहिना रखने रहथि. विपक्षी सदस्य मनोरमा सिंह के इ कथन पर पूरा सदन मुसकिय देलक, जखन कि सत्ता पक्ष दिस स जोरदार ताली बजल.

छोट-छोट समाद

छह नहि आब आठ टा आइटीआइ खुलत

पटना : सरकार तय केलअिदि जे राज्य मे छह के स्थान पर आठ टा आइटीआइ खोलल जाइत. ज्ञात हुए कि बजट भाषण मे राज्य मे छह टा आइटीआइ खोलबाक घोषणा केल गेल छल. बाद मे सरकार फैसला लेलक जे राज्य मे बांका आओर भागलपुर मे दू टा नव आइटीआइ खोलल जाइत. एहि स पहिने सरकार भभुआ, जमुई, सहरसा, नालंदा, मधुबनी आओर पूर्णिया मे आइटीआइ खोलबाक फैसला लेने छल.

पटना जक्शन के होएत अपन वेवसाइट

पटना : कौन ट्रेन कखन आओर कौन प्लेटफार्म पर आउत, अहांक पार्सल कौन ट्रेन से जा रहल अछि सहित आरक्षण तालिका क की स्थिति अछि एहन सबटा जानकारी आब पटना जक्शन के अपन वेवसाइट पर उपलब्ध कराउल जा रहल अछि. एहि काज लेल दिल्ली क एकटा कंपनी के जिम्मा सौपल गेल अछि. ओ कंपनी पिछला सप्ताह पटना जक्शनक सर्वे केलक अछि. इ जानकारी रेल प्रबंधक बीडी गर्ग देलथि.

गंगा के सवाल पर सांसद हउथ एकमत

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक कहब छैन जे गंगाक सवाल पर सबटा सांसद के एक मत हेबाक चाही. गंगा के बचेबा लेल ओ बिहार के सबटा सांसद से एकमत होएबाक आह्वान केलथि अछि. श्री कुमार सर्वमंगला गंगा प्रवाह प्रदूषण मुक्ति मंच के सदस्य लोकनि संग वार्ता करैत छलाह. वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री इ उम्मीद जतउलथि जे गंगा बेसिन स संबंधित अन्य राज्य सरकार सेहो गंगा के बचेबा लेल सामने आउत.

2009 मे खुलत दू टा चीनी मिल

पटना : गन्ना राज्य मंत्री नीतीश मिश्रक अनुसार अगिला साल राज्य मे बंद दू टा चीनी मिल खुली जाइत. एहि दूनू मिल के खुलला स बिहार इथनाल निर्यातक राज्य बनि जाइत. श्री मिश्र विधानसभा मे कहलथि जे दूनू मिल के खोलबा लेल एक-एक करोड़ बैंक गारंटी जमा कराउल जा चुकल अछि. मिल मालिकक अनुरोध पर मिल परिसर स अतिक्रमण हटेबाक प्रकिया जारी अछि. आशा अछि जे जल्द मिल परिसर के मिल मालिक के सौंप देल जाइत. श्री मिश्रक अनुसार पूर्वी आओर पश्चिम चंपारण मे सेहो सुगर कंप्लेक्सक निमार्ण केल जा रहल अछि. एकरा संगहि सुपौल जिला मे सेहो एकटा चीनी मिल स्थापित केल जा रहल अछि. एहि मिल स 28 मेगावाट बिजली सेहो पैदा केल जाइत. एहि मिल लेल जमीनक अधिग्रहण केल जा रहल अछि. एकरा लेल सुपौल के जिला प्रशासन के 150 एकड़ जमीन उपलब्ध करैबाक निर्देश देल गेल अछि. श्री मिश्रक अनुसार राज्य मे बंद 10 टा और मिलक लेल टेंडर निकालल जाइत. पहिल बेर एकरा लेल कियो निविदा दाखिल नहि केने छल. श्री मिश्रक कहब छैन जे बिहार मे हिंदुस्तान पेट्रो आओर रिलायन सन कंपनी निवेश करि रहल अछि, मुदा केंद्र स समुचित सहयोग नहि भेटला स निवेश प्रक्रिया मे बाधा पहुंच रहल अछि. श्री मिश्रक अनुसार बिहार मे गन्ना से सीधा इथनौल बनेबाक छूट भेटबाक चाहि, मुदा केंद्र सरकार एहन छूट देबा से इनकार करि रहल अछि, जे बिहार क हित मे नहि अछि.

21 जिलाक एसपी बदलल

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य मे प्रशासनिक व्यवस्था के चुस्त करबा लेल 31 टा आइपीएस अधिकारी के तबादला करलथि अछि. एहि मे 21 टा जिला पुलिस अधीक्षक शामिल छथि. पिछला सप्ताह जिलाधिकारीक तबादला के बाद भेल इ तबादला स कतेक जिला मे डीएम आओर एसपी दूनू बदली गेल अछि. जाहि जिला मे एसपी क तबादला भेल अछि ओहि मे मुजफ्फरपुर, भागलपुर, नालंदा, भोजपुर, जहानाबाद, सीवान, गया, बेतिया, पूर्णिया, अररिया, सीतामढ़ी, किशनगंज, गोपालगंज, मधुबनी, बक्सर, दरभंगा, खगड़िया, रोहतास आ बांका प्रमुख अछि. एकर अलावा पटनाक सेहो एसएसपी बदली देल गेल अछि. तबादलाक संग-संग राज्य सरकार तीन गोट आइपीएस अधिकारी के डीआइजी मे प्रोन्नत केलक. संगहि डीआइजी रेंक के अधिकारी गुप्तेश्वर पांडेय के स्पेशल ब्रांच मे तबादला करि देलक अछि. एकर संगहि रवींद्रण के पटना मे रेल एसपी बनाउल गेल अछि.

आब डीएसपीक बारी

पटना : आइएएस आओर आइपीएस अधिकारीक तबादलाक बाद आब राज्य सररकार डीएसपी स्तर के अधिकारी क तबादलाक सूची तैयार करी रहल अछि. सूत्रक अनुसार मुख्यमंत्रीक आदेश के बाद कखनो एहि संबंध मे अधिसूचना जारी भ सकैत अछि. तबादला मे दू दर्जन अधिकारी शामिल छथि.

दुनिया देखने का अलग अंदाज
गणादेश
बिहार संस्करण
गणादेश
झारखंड संस्करण
पटना से प्रकाशित बिहार का अपना साप्ताहिक अखबार

छोट-छोट समाद

दूटा स बेसी बच्चा तइयो लड़ू चुनाव

पटना : शहरी निकायक लेल हुए जा रहल चुनाव मे दूटा बच्चा स बेसी संतानवाला के सेहो चुनाव लड़बा मे छूट द देल गेल अछि. राज्य निर्वाचन आयोगक कहब अछि जे 20 अप्रैल के होइवाला चुनाव मे बच्चाक संख्याक आधार पर ककरो उम्मीदबारी खारिज नहि केल जाइत. ज्ञात हुए कि शहरी निकाय लेल उम्मीदवार ओहने व्यक्ति भ सकैत अछि, जेकरा दू अथवा छूटा स कम संतान अछि.

दरभंगा-सीतामढ़ी छोटी लाइन खत्म

दरभंगा : जनकनंदनी सीताक जन्मस्थली सीतामढ़ी आओर मिथिलाक अघोषित राजधानी दरभंगाक बीच रेल संपर्क तत्काल बंद अछि. एहि रेलखंड पर आमान परिवर्तनक काज भ रहल अछि. पूर्व रेलमंत्री रामविलास पासवान जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज रेलखंड के छोटी लाइन स बड़ी लाइन मे बदलबाक निर्णय लेने छलाह, जेकरा बाद पूर्व रेलमंत्री नीतीश कुमार आ वर्तमान रेलमंत्री लालू प्रसाद चरणबद्ध रूप स पूरा करी रहल छथि. एहि रेल खंड के पूरा भेला पर उत्तर बिहार मे एकटा वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध भ जाइत जे गया, पटना आओर हाजीपुर स इतर बंगाल स यूपी जेबाक एकटा सुगम मार्ग भ जाइत.

रेणुक नाम पर होइत सिमराहा टीसनक नाम

पटना : राज्य सरकार रेल मंत्रालय स आग्रह केलक अछि जे सिमराहा स्टेशनक नाम फणीश्वर नाथ रेणुक नाम पर करि देल जाय. राज्य सरकार एहि संबंध मे एकटा प्रस्ताव पिछला सप्ताह रेल मंत्रालय के पठउलक अछि. राज्य के परिवहन मंत्री अजीत कुमारक अनुसार राज्य सरकार रेल मंत्रालय के एकटा आओर प्रस्ताव पठउलक अछि जाहि मे किउल-गया रेलखंड क दौहरीकरणक सिफारिश केल गेल अछि.

मुनिलाल के भारी पड़ल लालू पर देल फैसला

पटना : पटना हाइकोर्ट क कार्यवाहक मुख्यन्यायाधीश सीके प्रसाद सीबीआइ क पूर्व जज मुनि लाल पासवानक पेंशन रोकबाक आदेश देलथि अछि. श्री प्रसाद इ आदेश हाइकोर्टक स्थायी समितिक रिपोर्टक आधार पर देलथि अछि. रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे रेलमंत्री लालू प्रसाद आओर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवीक आय स अधिक संपत्ति मामला मे मुनिलालक फैसला पहिल नजरि मे गलत अछि. सरकार श्री लालक पेंशन रोकि देलक अछि.

नहि टूटत पटनाक न्यू मार्केट : हाइकोर्ट

पटना : पटना हाइकोर्ट राज्य सरकार क ओ अपील के नामंजूर करि देलक जाहि मे पटना स्टेशन स्थित न्यू मार्केट के तोड़बाक अनुमति मांगल गेल छल. हाइकोर्ट राज्य सरकार स एहि प्रकारक कोनो डेग नहि उठेबाक हिदायत देलक अछि. कोर्टक अनुसार एहन कोनो फैसला मात्र टाइटिलक अनुरूप होइत.

बिहार मे नव पनबिजली परियोजना लेल नाबार्डक पेशकश

जे चाहब से भेटत

- 100 स बेसी स्थान पर लागि सकैत अछि संयंत्र
- वर्तमान मे 88 करोड़ टकाक परियोजना पर भरहल अछि काज
- 28 करोड़ टकाक चारि टा आओर परियोजना पर शुरू होयत काज

पटना : नाबार्ड बिहार मे पन बिजलीक संभावना के देखैत राज्य मे एकरा लेल धन मुहैया करबाक पेशकश केलक अछि. नाबार्ड के महाप्रबंधक संदीप घोष कहैत छथि जे बिहार मे पनबिजलीक संभावना अन्य राज्य स बेसी अछि, ताहि लेल बिहार के एहि मामला मे मददक पेशकश केल गेल अछि. श्री घोष कहैत दथि जे बिहारक पिछड़ापन पाइनक कारण स अछि आ एहि पाइन स बिहार पनबिजलीक क्षेत्र मे अग्रणी राज्य बनत. बिहार अपन कमजोरी के ताकत मे बदलबाक हिम्मत रखैत अछि. वर्तमान मे सेहो नाबार्ड बिहार के मदद द रहल अछि. तत्काल 70 आ परियोजनाक चयन भ चुकल अछि आ चारिटा आओर स्थलक चयन केल गेल अछि. बिहार मे कम-स-कम 100 ठाम पन बिजली संयंत्र लागी सकैत अछि. एखन 28 टा संयंत्रक लेल नाबार्ड मदद द रहल अछि. 28 करोढ़क लागत स चारि टा आओर परियोजना पर जल्द काज प्रारंभ होयत. नाबार्ड बिहार मे नप बिजली परियोजना लेल एखन तक कुल 88 करोड़ टका द चुकल अछि. आगू जे जरूरत होयत नाबार्ड टका दैय ले तैयार अछि. वर्तमान मे जे परियोजना पर काज चलि रहल अछि ओकर लक्ष्य स पहिने पूरा हेबाक संभावना अछि. बिहार मे पीपीपी के तहत भ रहल काज स खुश श्री घोष कहला जे एहि स काज मे गुणवक्ता त अबिते अछि, संगहि काज सेहो जल्दी पूरा होइत अछि. एहन मे ओ दिन दूर नहि जखन वैकल्पिक उर्जाक मामले मे बिहार सबसे आगू रहत.

2012 तक बनि जाइत सीता सर्किट

समदिया

पटना : बिहार मे रामायण सर्किट पर राज्य सरकार गंभीरता स काज करि रहल अछि. विधानसभा मे राजद के पूर्व मंत्री रामचंद्र पूर्वेक सवाल पर पर्यटन मंत्री नंदकिशोर यादव कहलथि जे 2012 तक एहि योजना के पूर्ण होएबाक लक्ष्य राखल गेल अछि. रामायण काल मे सीता स जुड़ल स्थानक जानकारी जुटाउल जा रहल अछि. जेना-जेना जानकारी भेट रहल अछि, तेना?तेना ओहि स्थानक विकास लेल योजना स्वीकृत केल जा रहल अछि. स्थानक चयन लेल धार्मिक न्यास परिषदक अध्यक्ष किशोर कुणाल स मदद लेल जा रहल अछि. हुनका स्थानक सूची तैयार करबाक जिम्मेदारी सौंपल गेल अछि. श्री यादव कहलथि जे सीता सर्किट पूर्ण रूप स चार लेनवाला सड़क स जोड़ल जाइत. संगहि सीतामढ़ी मे पर्यटन विभाग एकटा जानकी नामक सितारा होटल बनाउत, जाहि मे सबटा आधुनिक सुविधा उपलब्ध रहत. श्री यादव स्पष्ट केलथि जे बिहार सरकार रामायण स जुढ़ल सबटा स्थानक विकास करबा लेल कृतसंकल्प अछि आओर स्थानक चयन मात्र वाल्मीकि रामायणक आधार पर केल जाइत. श्री यादव कहलथि जे एहि योजनाक अंतर्गत पुनौढ़ा मे अवस्थित राम-जानकी मंदिरक सौंदर्यीकरणक लेल सरकार 29 लाख टका देलक अछि. आन मंदिरक लेल सेहो राशिक आवंटन केल जा रहल अछि.

सीता के राम अलग करि देलक भाजपा : रामचंद्र

पटना : राजद नेता आओर पूर्व मंत्री रामचंद्र पूर्वेक आरोप अछि जे भाजपा सीताक महत्व के कम करि रहल अछि. श्री पूर्वे बिहार में सीता सर्किटक विकास लेल विधानसभा मे उठाउल गेल प्रश्न पर चर्चा करैत कहला जे भाजपाक लोक राम स सीता के अलग करि रहल अछि. आओर एकटा साजिशक तहत सीताक महत्व के कम करबाक प्रयास करि रहल अछि. भाजपा आओर विश्व हिंदू परिषदक जय श्रीरामक नाराक विरोध करैत श्री पूर्वे कहला जे सीता-राम आओर श्री राम मे अंतर अछि. आ इ अंतर आध्यातमिक आ राजनीतिक अछि. बिहार कोनो रूपे सीता-रामक स्थान पर जय श्रीराम स्वीकार नहि करत. सीता बिना रामक अस्तित्वक कल्पना तक नहि केल जा सकैत अछि, एहन मे बिहार सीता स अगल कोनो राम के स्वीकार नहि करत.

पेज एकक बाकी बचल भाग

वित्तरहित...

बालिका विद्यालयक लेल किछु मापदंड के शिथिल केल गेल अछि. श्री कुमार कहलथि जे दू दशक पूर्व बिना कोनो आधार के वित्तरहित शिक्षा नीति लागू करि देल गेल. ओना एकरा समाप्त करबाक आधार तकबा लेल 1997 मे जगदानंद सिंह क अध्यक्षता मे एकटा समिति बनल छल, जेकर रिपोर्ट आइ धरि नहि आयल अछि. मुख्यमंत्री कहलथि जे एकर बावजूद राजग सरकार अपन वादाक अनुरूप वित्तरहित शिक्षा नीति के खत्म करबाक फैसला लेलक अछि.

मुख्यमंत्री कहलथि जे नीति निर्धारण मे किछु समय लागल, जेकर पाछू मकशद मात्र एतबा छल जे एहि मे कोनो अनियमितताक जुगाड़ नहि रहय. एहि लेल शिक्षण संस्थान मे दाखिल विद्यार्थीक संख्याक आधार नहि मानि संस्थान स पास भेल छात्रक संख्या आधार मानल गेल अछि. जाहि मे अनियमितताक आशंका नहि मात्र अछि. श्री कुमार साफ तौर पर कहलथि जे कोनो एहन संस्थानक अधिग्रहण करबाक विचार सरकारक विचाराधीन नहि अछि. वित्तरहित शिक्षण संस्थान निजी छल आ रहत, सरकार ओकर प्रबंधन मे कोनो हस्तक्षेप नहि करत. संस्थानक कर्मचारीक वेतन आदि फैसला संस्थानक प्रबंध समिति लेत. सरकार मात्र ओकरा मानक आधार पर अनुदान दैत. एकरा संगहि संस्थानक चयन ओकर परिसर, भवन, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, शिक्षक-छात्रक बीच अनुपात आदिक आधार पर कैल जाइत. चयनित शिक्षण संस्थान स पास भेल छात्रक आधार पर अनुदान देल जाइत, जेकर बंटबाराक जिम्मा प्रबंध समितिक रहत.

कागजी संस्थान....

दरअसल राज्य सरकार वित्तरहित शिक्षा नीति समाप्त करबा लेल ज रास्ता चुनकल अछि, ओहि मे कागजी संस्थान लेल कोनो जुगाड़ नहि अछि. संगहि जे शिक्षण संस्थान मे पढ़ाई नीक जेका नहि होयत ओकरा कम टका अनुदान भेटत. एहन मे जे जतेक निक संस्थान रहत तकरा ततेक नीक आ बेसी अनुदान देल जाइत. एहि लेल सरकार जे व्यवस्था केलक अछि ओ अद्भूत अछि. सबस पहिने वित्तरहित संस्थान के एकटा पथ पत्र दाखिल करय पड़त, जाहि मे संस्थानक सबटा जानकारी देब अनिवार्य अछि. जेना संस्थान लग कतेक जमीन छैक, संस्थानक भवन कतेक टा छैक, ओहि मे केटा कोठली छैक. संस्थान मे पुस्तकालय छैक कि नहि, अगर छैक त कतेक पुस्तक अछि, प्रयोगशाला अछि कि नहि. एकरा संग-संग संस्थान मे शिक्षक आ छात्रक अनुपात की अछि. एहि शपथ पत्रक आधार पर संस्थानक चयन केल जायत आओर चयनित संस्थानक सफल विद्यार्थीक आधार पर अनुदान देल जाइत. अनुदान दैत काल एहि तथ्यक जांच केल जाइत जे संसाधनक अनुरूप आंकड़ा प्रस्तुत केल गेल अछि कि नहि. जेना अगर दू टा कोठलीवाला कोनो संस्थान स 700 छात्रक आंकड़ा देखाउल जाइत छैक त एहन मे जांचक उपरांत राशिक आवंटन केल जाइत. संगहि विद्यार्थीक सूची बोर्ड आ विश्वविद्यालय स्तर स सेहो मांगल जाइत. एहन मे कोनो कागजी संस्थान लेल टका निकालब काफी कठिन अछि. तहिना कोनो फाकीबाज शिक्षक लेल एहि व्यवस्था मे कोनो रहम नहि केल गेल अछि. ओना जे संस्थान आ शिक्षक नीक परिणाम देताह, ओकरा लेल सरकारी खजाना खोली देल गेल अछि.

किछु शिक्षक एकर विरोध मात्र एहि कारण स करी रहल छथि कि हुनक मांग छल जे सरकार संस्थान क अधिग्रहण करि लिये. मुदा मुख्यमंत्री साफ कहलथि जे सरकार कोनो संस्थान के अधिग्रहण नहि करत. सरकारक स्वार्थ मात्र राज्य मे शिक्षाक स्थिति के ठीक करब छैक, ताहि लेल धनक कमी नहि अछि, मुदा एहि लेल कोनो संस्थान के सरकारी करब जरूरी नहि अछि. ओनाओ वित्तरहित शिक्षानीतिक तहत कहियो संस्थानक अधिग्रहणक वादा नहि केल गेल.

कुल मिला के राज्य सरकारक इ फैसला एतिहासिक कहल जा सकैत अछि. आइ राजद अथवा कांग्रेस सदन के बाहर आ भीतर जे एकर विरोध करैत हुएथ, मुदा विपक्ष सेहो मानैत अछि जे एहि समस्याक इ उचित आ व्यवहारिक हल थीक, ओना कागजह संस्थान चलबैत लोक एहि स हताश अछि आ कामचोर शिक्षक शड़क पर उपरि हंगाम करि रहल छथि, मुदा शिक्षक संघ सहित सब वर्गक लोक एकर स्वागत केलक अछि.

बदलत पटना विवि क दस साल पुरान पाठ्यक्रम

पटना : पटना विवि क सिलेबस अगिला सत्र स बदलि जाइत. एकरा लेल कार्यकम तैयार केल जा रहल अछि. पटना विवि के राष्ट्रीय स्तर के बनेबा लेल एकर पाठ्यक्रम मे बदलाव केल जा रहल अछि. विवि क शैक्षणिक व्यवस्था के सुचारू करबा लेल राज्य सरकार क स्तर पर सेहो सहयोग देल जा रहल अछि.. एहि कम में 1998 मे बनल आओर 2000 मे लागू पाठ्कम के बदलबाक निर्णय लेल गेल अछि. नवका सिलेबसक आधार तय करबा लेल विभिन्न विविक सिलेबसक अध्ययन केल जा रहल अछि. एहि काज लेल एकटा कमेटीक गठन केल गेल अछि. कहल जा रहल अछि जे पटना विवि मे चलि रहल व्यवसायिक शिक्षाक पाठ्यकम सेहो काफी पुरान अछि. एकरो मे अमलचूल परिवर्तन केल जाइत. विविक कुलपति एहि संबंध मे कहैत छथि जे पाठ्कम कमजोर आ पुरान रहला स छात्र के बाहर आयोजित प्रतियोगिता मे सफलता भेटबा मे मुश्किल होत छैन, एहन मे विविक पाठ्कम मे बदलाव आवश्यक अछि आ विवि प्रशासन इ बदलाव अगिला सत्र स लागू करि देत.

देश-विदेशक 500 लेखक जुटताह बेगूसराय मे

बेगूसराय : देश-विदेशक 500 लेखक नौ अप्रैल के बेगूसराय मे जुटताह. 1936 मे प्रेचंद के अध्यक्षता मे आयोजित अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ के 14हम वार्षिक अधिवेशन एहि साल राष्ट्रकवि दीनकर क शहर बेगूसराय मे आयोजित केल जा रहल अछि. संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरेंद्र ठाकुरक अनुसार एहि अधिवेशन मे देश-विदेश स कम-स-कम 500 लेखक बेगूसराय अउताह. बिहार मे दोसर बेर भ रहल इ सम्मेलनक लेल बेगूसराय मे तैयारी अंतिम दौर मे अछि. एहि साल सम्मेलनक महत्व एहि कारण स बढ़ि जाइत अछि कियेक त इ कवि दीनकरक सौवीं जयंती वर्ष थीक. एहि सम्मेलन मे मुख्य रूप स नामवर सिंह, महाश्वेता देवी, खगेंद्र ठाकुर, अरूण कमल आ अली जावेद सन लेखक के भागीदारी हेबाक संभावना अछि.

जिला अस्पताल मे बनत बच्चाक लेल आइसीयू

पटना : राज्य सरकार जिला स्तर पर बच्चाक इलाज सुलभ करेबाक प्रयास करी रहल अछि. एहि कम मे निर्णस लेल गेल अछि जे राज्यक सबटा जिला अस्पताल मे बच्चाक लेल आइसीयू क निर्माण केल जाइत, संगहि बच्चाक बीमारीक जांच सेहो अस्पताल मे भ सकय, तेकरा लेल किछु महत्वपूर्ण जांचक व्यवस्था जिला अस्पताल मे कराउल जा रहल अछि. राज्य सरकार एहि परियोजना के सबस पहिने वैशाली मे लागू केलक अछि, धीरे-धीरे एकरा आन जिला अस्पताल मे सेहो लागू केल जाइत. इ गपक जानकारी स्वास्थ्य मंत्री चंद्रमोहन राय देलथि.. श्री राय कहलथि जे एकरा लेल राशिक जुगार केल जा रहल अछि. राज्य सरकार केंद्र स सेहो एहि मद मे किछु टका देबाक गुहार केलक अछि,मुदा एखन धरी केंद्र स एहि संबंध मे कोनो प्रकारक आश्वासन नहि भेटल अछि.

आइजीआइएमएस में पढ़ाई एहि साल स

पटना : पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान मे एहि साल स पढ़ाई प्रारंभ केल जा रहल अछि. स्वास्थ्य मंत्री चंद्रमोहन राय क अनुसार राज्य सरकार संस्थान लेल कीनल गेल मशीन के सुचारू रूप स चलेबाक प्रयास करि रहल अछि. पढ़ाई प्रारंभ करबा लेल सबटा आवश्यक तैयारी पूरा भ चुकल अछि. संस्थान मे छात्रक लेल नवका लैब सेहो बनि के तैयार अछि. नव मशीन कीनबा लेल पांच करोडत्र टका सेहो देल गेल अछि. संस्थान मे 24 घंटा ओपीडी सुविधा उपलब्ध कराउल जा रहल अछि. मंत्री एहि आरोप क खंडन केलथि जे संस्थानक लेल कीनल मशीन के ठप करि के निजी संस्था के मदद पहुंचयल जा रहल छैक. मंत्री एहि आरोप क सेहो निराधार बतउलथि जे संस्थान लेल मशीन खरीद मे कोनो अनियमितता बरतल गेल. श्री रायक अनुसार मशीन खरीद मे कोनो गड़बर नहीं भेल, कानून के तहत टेंडर निकालल गेल आ वर्ष 2007 मे आवंटित राशिक अनुसार मशीनक खरीद केल गेल. एहि वर्ष सेहो नव मशीन लेल राशिक आवंटन केल जा चुकल अछि. किछु दिन मे टेंडर निकालल जाइत आ मशीनक खरीद होइत.